Hindustan (Hindi) (Dehradun)

EDII

February 13, 2025
Pg.2

छात्र उद्यमियों के उत्पादों को सराहा

देहरादून, मुख्य संवाददाता। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दून विवि में आयोजित मेगा स्टार्टअप समिट के अंतिम दिन 75 से अधिक छात्र उद्यमियों ने अपने उत्पादों और व्यवसायिक मॉडलों का प्रदर्शन किया। इन उत्पादों और व्यवसायिक मॉडलों को उच्च शिक्षण संस्थानों, निवेशकों और अन्य उद्योग जगत के विशेषज्ञों की ओर से सराहा गया।

समिट के दूसरे दिन तीन महत्वपूर्ण पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। पहली पैनल चर्चा उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित उद्यमिता पाठ्यक्रम पर हुई। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. डीएस रावत, कुलपति, कुमाऊं विवि ने की। जबकि मॉडरेटर की भूमिका सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने निभाई। प्रो. रावत ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता पाठ्यक्रम लागू करने से छात्रों को नई संभावनाओं का पता लगाने और अपना व्यवसाय शुरू करने का प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को अब केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहकर नवाचार और उद्यमिता के केंद्रों के रूप में विकसित होना चाहिए।

दूसरी पैनल चर्चा प्रशिक्षित और विकसित उद्यमों की सफलता की कहानी पर हुई। इस सत्र को डॉ. श्रुति बत्रा ने मॉडरेट किया। समापन सत्र में डॉ. अंजू अग्रवाल, निदेशक उच्च शिक्षा ने कहा कि यह योजना उत्तराखंड में एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र भसीन ने उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।